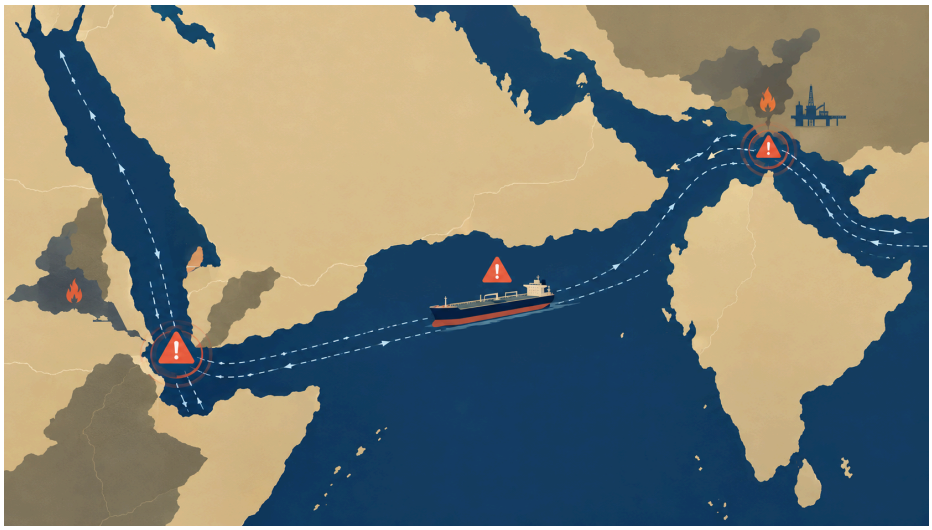
बाब अल-मंदेब हाउथियों के कब्ज़े में, होरमूज़ में टैंकर पर हमला: दो जलडमरूमध्यों पर एक साथ ख़तरा



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

लाल सागर और फ़ारस की खाड़ी के दो सबसे अहम जलडमरूमध्य एक साथ दबाव में हैं। **15 नवंबर 2026** को सऊदी समर्थित यमनी सरकारी सेनाओं ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से लगा इलाक़ा - **धुबाब एयरपोर्ट समेत** - ख़ाली कर दिया, जिससे यह तट ईरान-समर्थित **हाउथियों के नियंत्रण** में आ गया। अगले ही दिन, **16 नवंबर** को ब्रिटेन की समुद्री निगरानी एजेंसी **UKMTO** ने बताया कि होरमूज़ जलडमरूमध्य से बाहर निकलते एक **टैंकर पर अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला** हुआ, जिससे इंजन रूम में आग लगी; हताहत कोई नहीं हुआ। इसी बीच बहरीन के अनुरोध पर बैठी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सहायक महासचिव **मोहम्मद खालिद खियारी** ने चेतावनी दी कि 11 नवंबर तक अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) ने होरमूज़ और आसपास के क्षेत्र में **134 पुष्ट घटनाएँ** दर्ज की हैं, जिनमें **25 नाविकों की मौत** हुई है।

घटनाक्रम: यमन में क्या बदला

- **सितंबर 2026:** हाउथियों ने सुरप्राइज़ हमले में बाब अल-मंदेब के तट पर कब्ज़ा किया - जलडमरूमध्य के मुहाने पर स्थित **पेरिम द्वीप** और रणनीतिक बंदरगाह शहर **मोखा** समेत।
- **अक्टूबर की शुरुआत:** सऊदी समर्थित सरकारी सेनाओं ने जलडमरूमध्य को “सुरक्षित” करने का दावा किया था।
- **15 नवंबर:** दक्षिणी सशस्त्र बलों ने कहा कि वे धुबाब एयरपोर्ट और बाब अल-मंदेब क्षेत्र से सेनाएँ हटा रहे हैं ताकि अंतरिम राजधानी **अदन** की रक्षा की जा सके; हाउथी-संचालित मीडिया ने इलाक़े पर कब्ज़े की पुष्टि की। सऊदी अरब ने टिप्पणी नहीं की।
- **पृष्ठभूमि:** 15 अक्टूबर को अदन के राष्ट्रपति भवन पर हाउथी हमले में 5 लोग मारे गए और 16 घायल हुए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की प्रवक्ता **रवीना शमदासानी** के अनुसार अगस्त से हुए दस्तावेज़ी नागरिक हताहतों में **60% से अधिक महिलाएँ और बच्चे** हैं; संघर्ष में अब तक लगभग **3.3 लाख लोग विस्थापित** हुए हैं।

बाब अल-मंदेब क्यों महत्वपूर्ण है

बाब अल-मंदेब (“विलाप का द्वार”) लाल सागर को अदन की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। यह यमन और जिबूती-इरिट्रिया के बीच सबसे संकरे स्थान पर लगभग **29-32 किमी** चौड़ा है; पेरिम द्वीप इसे दो जलमार्गों में बाँटता है। यह **स्वेज़ मार्ग** का दक्षिणी द्वार है - एशिया और यूरोप के बीच समुद्री व्यापार इसी से होकर गुज़रता है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (EIA) के अनुसार 2023 की पहली छमाही में यहाँ से रोज़ाना औसतन **88 लाख बैरल तेल** गुज़रता था।

होरमूज़: पहले से प्रभावी रूप से बंद

होरमूज़ जलडमरूमध्य सबसे संकरे स्थान पर लगभग **39 किमी** चौड़ा है और EIA के अनुसार 2023 में यहाँ से रोज़ाना लगभग **2.09 करोड़ बैरल** तेल-तरल - वैश्विक खपत का लगभग **20%** - गुज़रता था। अमेरिका-इज़राइल और ईरान के युद्ध के बाद से यह मार्ग प्रभावी रूप से बंद है; सऊदी अरब अपने तेल निर्यात के लिए **लाल सागर मार्ग** पर निर्भर हुआ था - और अब बाब अल-मंदेब पर हाउथी नियंत्रण ने उस विकल्प को भी असुरक्षित कर दिया है। इसी से वैश्विक तेल कीमतों में उछाल आया है। 16 नवंबर की टैंकर घटना में UKMTO के अनुसार क्षति और संभावित पर्यावरणीय असर का आकलन अभी बाकी है।

सुरक्षा परिषद में चेतावनी

बहरीन के अनुरोध पर बुलाई बैठक में खियारी ने कहा कि कई जहाज़ और चालकदल महीनों से फ़ारस की खाड़ी में फँसे हैं; समुद्री परिवहन पर प्रतिबंध से **ऊर्जा, परिवहन और बीमा लागत** बढ़ती है, जिससे महँगाई बढ़ती है और **उर्वरक ढुलाई** सीमित होकर खाद्य सुरक्षा ख़तरे में आती है। उन्होंने सभी पक्षों से अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन और नौचालन की स्वतंत्रता बहाल करने को कहा, और ईरान-अमेरिका वार्ता को सद्भावना से आगे बढ़ाने की अपील की।

भारत के लिए मायने

- **ऊर्जा सुरक्षा:** भारत अपने कच्चे तेल और एलएनजी आयात का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से लाता है; होरमूज़ की बंदी पहले ही आपूर्ति-दबाव बढ़ा चुकी है।
- **व्यापार मार्ग:** यूरोप-बाउंड निर्यात का प्रमुख समुद्री मार्ग लाल सागर-स्वेज़ से होकर जाता है; बीमा और माल-ढुलाई दरें बढ़ना भारतीय निर्यातकों की लागत बढ़ाता है।
- **नौसैनिक उपस्थिति:** भारतीय नौसेना पश्चिमी अरब सागर में पहले से संघर्ष-कालीन गश्त और एस्कॉर्ट अभियान चला चुकी है; दोनों जलडमरूमध्यों की स्थिति इसे और महत्वपूर्ण बनाती है।
- **उर्वरक और खाद्य:** उर्वरक आयात की लागत और समय पर असर कृषि-लागत से जुड़ा हुआ है।

संबंधित लेख: होरमूज़ ट्रांज़िट फ़ी विवाद; होरमूज़ संकट के बीच एलपीजी आयात और STS ट्रांसफर; होरमूज़, हुडा शिपिंग और ऊर्जा सुरक्षा

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के संदर्भ में कौन-से कथन सही हैं?
1. यह लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है।
2. पेरिम द्वीप इसे दो जलमार्गों में विभाजित करता है।
3. यह यमन और ओमान के बीच स्थित है।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a) बाब अल-मंदेब यमन और जिबूती-इरिट्रिया (अफ्रीकी तट) के बीच है, ओमान के बीच नहीं; यह लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है और पेरिम द्वीप इसे दो जलमार्गों में बाँटता है।

प्रश्न 2: नवंबर 2026 में बहरीन के अनुरोध पर हुई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद बैठक में IMO द्वारा दर्ज बताई गई पुष्ट समुद्री घटनाओं (होरमूज़ और आसपास के क्षेत्र) की संख्या कितनी थी?

(a) 84

(b) 104

(c) 134

(d) 164

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c) सहायक महासचिव मोहम्मद खालिद खियारी के अनुसार 11 नवंबर 2026 तक IMO ने 134 पुष्ट घटनाएँ दर्ज की थीं, जिनमें 25 नाविकों की मौत हुई।

मेन्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "बाब अल-मंदेब और होरमूज़ जलडमरूमध्यों पर एकसाथ बना दबाव वैश्विक ऊर्जा और व्यापार सुरक्षा के लिए संयुक्त संकट पैदा करता है।" इस कथन का वर्तमान पश्चिम एशियाई घटनाक्रम के आलोक में विश्लेषण कीजिए और भारत के लिए नीतिगत प्राथमिकताएँ सुझाइए। (250 शब्द)

रूपरेखा: भूमिका - दोनों जलडमरूमध्यों की भू-रणनीतिक स्थिति; हालिया घटनाएँ - हाउथी कब्ज़ा, टैंकर हमला, सुरक्षा परिषद की चिंताएँ; आर्थिक असर - तेल कीमत, बीमा, उर्वरक; भारत-विशेष - ऊर्जा आयात विविधीकरण, रणनीतिक भंडार, नौसैनिक गश्त, कूटनीति; निष्कर्ष - बहुपक्षीय नौचालन-सुरक्षा ढाँचे की ज़रूरत।

FAQ

संक्षिप्त उत्तर: 15 नवंबर 2026 को सऊदी समर्थित यमनी सेनाओं के हटने से बाब अल-मंदेब का तट हाउथियों के नियंत्रण में आया; 16 नवंबर को होरमूज़ में एक टैंकर पर अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला हुआ। सुरक्षा परिषद में बताया गया कि IMO ने 11 नवंबर तक 134 समुद्री घटनाएँ दर्ज की हैं, जिनमें 25 नाविक मारे गए।

प्रश्न: बाब अल-मंदेब पर हाउथियों का नियंत्रण क्यों बड़ी खबर है?

क्योंकि होरमूज़ पहले से प्रभावी रूप से बंद है और सऊदी तेल निर्यात लाल सागर मार्ग पर निर्भर था; बाब अल-मंदेब का हाउथियों के पास जाना वैश्विक तेल आपूर्ति के एकमात्र बड़े वैकल्पिक मार्ग को भी असुरक्षित करता है, जिससे तेल कीमतों में उछाल आया है।

प्रश्न: होरमूज़ में 16 नवंबर को क्या घटना हुई?

UKMTO के अनुसार खाड़ी से बाहर निकलते एक टैंकर पर अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला हुआ, जिससे इंजन रूम में आग लगी; कोई हताहत नहीं हुआ, क्षति और पर्यावरणीय असर का आकलन जारी है।

प्रश्न: संयुक्त राष्ट्र की चिंता के प्रमुख बिंदु क्या हैं?

134 पुष्ट घटनाएँ और 25 नाविकों की मृत्यु; महीनों से फँसे जहाज़ और चालकदल; बढ़ती ऊर्जा-बीमा लागत से महँगाई; उर्वरक ढुलाई सीमित होने से खाद्य सुरक्षा पर ख़तरा; और सभी पक्षों से अंतर्राष्ट्रीय कानून व नौचालन-स्वतंत्रता बहाल करने की माँग।

स्रोत

- BBC (16 नवंबर 2026): यमनी सेनाओं की वापसी से बाब अल-मंदेब तट हाउथियों के नियंत्रण में
- Arab News/Reuters (16 नवंबर 2026): UKMTO - होरमूज़ में टैंकर पर प्रक्षेपास्त्र हमला
- सुरक्षा परिषद ब्रीफिंग (14 नवंबर 2026): सहायक महासचिव खियारी - IMO के 134 घटना/25 मृत्यु के आँकड़े
- EIA: विश्व तेल पारगमन जलडमरूमध्य - होरमूज़ और बाब अल-मंदेब के तेल-प्रवाह आँकड़े (आधिकारिक)